भारत में विश्व का मार्गदर्शन करने की क्षमता - डॉ. रमन सिंह

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. सुदेश,यूरोप स्थित सेवाकेन्द्रों की निदेशिका। साथ हैं मुख्यमंत्री माननीय डॉ. रमन सिंह, ब्र.कु. कमला व ब्र.कु. रश्मि।

रायपुर-छ.ग.। भारत अपने ज्ञान और संस्कारों के बल पर पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखता है। ग्लोबल विज़न को लेकर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना हमारी हज़ारों साल पुरानी परम्परा है। यह भावना हमारे डी.एन.ए. में है। यही एकमात्र रास्ता है विश्व शान्ति का। हम सुधर जाएं तो हमारे संस्कारों में परिवर्तन आने से पूरा विश्व बदल सकता है। उक्त बातें ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शान्ति सरोवर में `संस्कार परिवर्तन से संसार परिवर्तन' विषय पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री माननीय डॉ. रमन सिंह ने कहीं।

उन्होंने बताया कि मैं पिछले 25 वर्षों से इस संस्थान के सम्पर्क में हूँ और इसके विचारों से काफी प्रभावित भी हूँ। यह संगठन किसी मनुष्य द्वारा नहीं अपितु स्वयं परमात्मा द्वारा स्थापित संस्थान है। ब्रह्माकुमारीज़ की बहनें पूरे विश्व में घूम-घूमकर शांति का संदेश फैला रही हैं।

- **हम सुधरें तो जग सुधरेगा।**
- **पिछले 25 वर्षों से हूँ संस्था के संपर्क में।**
- **निश्चित रूप से यह संगठन परमात्मा द्वारा स्थापित संस्थान है।**
- **आत्मा का दीपक जगाएं और घर को आश्रम बनाएं।**
- **संस्कारों में श्रेष्ठता लाने के लिए कर्मों में श्रेष्ठता लाना ज़रूरी।**

ब्रह्माकुमारीज़ के यूरोप स्थित सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. सुदेश ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि हम सभी मिलकर अपने संस्कारों में दिव्यता लाने का प्रयास करें तो संसार को बदल सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हम सब अपने मन को मंदिर बनाएं, आत्मा का दीपक जगाएं और घर को आश्रम बनाएं तो यह संसार पुनः स्वर्ग बन जाएगा। उन्होंने कहा कि परमपिता परमात्मा शिव के संग योग लगाने से हमारे संस्कारों में दिव्यता और पवित्रता आने लगती है।

समारोह को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला ने कहा कि कर्मों के आधार पर हमारे संस्कार बनते हैं, इसलिए संस्कारों में श्रेष्ठता लाने के लिए कर्मों में श्रेष्ठता लानी होगी। अच्छे कर्म करने के लिए अच्छे कर्मों का ज्ञान होना ज़रूरी है। इसीलिए कर्मों को अच्छा बनाने की शिक्षा ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पिछले 80 वर्षों से दिया जा रहा है।

इससे पूर्व माननीय मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश शासन की ओर से ब्रह्माकुमारी सुदेश का शॉल और श्रीफल भेंटकर अभिनंदन भी किया। दुर्ग से आए गायक ब्र.कु. युगरत्न ने स्वागत गीत गाकर सभी को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन ब्र.कु. रश्मि ने किया। इस अवसर पर बहुत बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' आध्यात्मिकता से सशक्त बनाओ

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषयक कार्यक्रम में महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु प्रतिज्ञा लेते हुए प्रो. के.डी. स्वामी, ब्र.कु. चक्रधारी व डॉ. ज्योति किरण। सभा में प्रतिज्ञा करते हुए शहर के प्रबुद्धजन।

भरतपुर-राज.। महिला तभी सशक्त बन सकती है जब उसे अपनी आत्मिक ऊर्जा की पहचान हो, स्वावलम्बी हो व ईश्वर से शक्ति लेकर अपनी पवित्रता को अक्षुण्ण रखे। यह उद्बोधन राजस्थान वित्त आयोग की अध्यक्ष डॉ. ज्योति किरण ने भरतपुर में आयोजित `बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम में दिया। इस अभियान के 2015-2016 के समापन समारोह में उन्होंने यह विचार व्यक्त किये ।

दिल्ली से आईं राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि यह ईश्वरीय विश्व विद्यालय सन 1936 में सिन्ध हैदराबाद में स्थापित हुआ। उस समय महिलाओं को चार दीवारी में रहना और कहीं भी आने-जाने के लिए पर्दा करना पड़ता था।

उन्होंने निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान खिंचवाया:-

क्या किया इस संस्था ने महिलाओं के लिए

- महिलाओं को समाज में उनका अपना स्थान दिलाने हेतु पहली संस्था बनी ब्रह्माकुमारीज़।
- इसका उद्देश्य महिलाओं को उनका अधिकार दिलाना व सुरक्षा प्रदान करना।
- संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा ने महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु अभियान प्रारम्भ किया।
- विश्व की प्रथम महिला संचालित संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय।
- भारतीय नारी सहनशीलता का अवतार है और इसको परमात्मा ने भरपूर उपयोग किया है।
- उपरोक्त बातों से यह शिक्षा मिलती है कि पुत्रियों को शिक्षा दें किन्तु वह साधारण शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक शिक्षा भी हो।
- स्त्री शक्ति-स्वरूपा है, भ्रूण हत्या नहीं देवी की हत्या है, मॉडर्न बनने से महिला सशक्त नहीं हो सकती, जो जितना पावन है उतना सशक्त है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महाराजा सूरजमल ब्रज विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. के.डी. स्वामी ने कहा कि महिलाओं को राजनैतिक अधिकारों के साथ-साथ सामाजिक अवसर भी मिलना ज़रूरी है तथा नारी की असुरक्षा की भावनाओं को मिटाना होगा।

भरतपुर के अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओ.पी. जैन ने कहा कि हमें मान्यताओं से अपने आप को दूर करना है कि महिला ही महिला की दुश्मन है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ और अंत में लोक नृत्य, संगीत और नाटिकाओं के माध्यम से अभियान को सशक्त बनाने का संदेश दिया गया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । **विदेश** - 2500 रुपये (वार्षिक) **कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।**

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th April 2016

संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।